सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

वर्ष : 5
अंक : 53
जून : 2014

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

8 | सम्पादकीय

10 | समसामयिकी घटना संग्रह

12 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

20 | आर्थिक घटना संग्रह

- आनन्द सिन्हा समिति द्वारा मुक्त ब्याज दर सन्दर्भ आधार निर्धारित करने की संस्तुति
- भारतीय कम्पनियों द्वारा ब्रिटेन में एक लाख से अधिक नौकरियों का सृजन : रिपोर्ट
- सनफार्मा ने रैनबैक्सी का अधिग्रहण किया

24 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में पहली यात्री ट्रेन सेवा शुरू की गयी
- सोनिया गांधी, नरेन्द्र मोदी एवं राहुल गांधी एशिया के शीर्ष 5 प्रभावशाली व्यक्तियों में शामिल
- भारत सामाजिक प्रगति सूचकांक में 132 देशों में 102वें स्थान पर

28 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- यूरोपीय संघ के न्यायालय ने ईयू डाटा रिटेंशन डायरेक्टिव को अक्षम बनाया
- कैटालोनिया की स्वतंत्रता के लिए कराए गए जनमत संग्रह को स्पेन की संसद ने खारिज किया

31 | खेल खिलाड़ी

- विजडन क्रिकेटर्स अलमानेक ने 2014 संस्करण में विश्व के पाँच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की सूची जारी की
- एंड्रिया पेटकोविक ने तीसरा डब्ल्यू.टी.ए. फैमिली सर्कल कप जीता

35 | विज्ञान समाचार

37 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

★ वित्तीय आलेख

39 | वित्तीय समावेशन की अवधारणा एवं उपादेयता

★ व्यक्तित्व विकास

41 | कर्तव्य पथ पर डटे रहे जीवन को दें रचनात्मक दिशा तथा नई ऊँचाइयाँ

★ कैरियर लेख

43 | डाक विभाग में डाक सहायकों/छंटाई सहायकों की भर्ती, 2014

87 | प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता

88 | तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-50 का परिणाम

90 | रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

50 आर. आर. सी. (पटना) ग्रुप 'डी' (द्वितीय पाली) परीक्षा, 2013

57 एस. एस. सी. मल्टी टॉस्किंग (गैर-तकनीकी) स्टाफ भर्ती परीक्षा, 2013

67 बिहार बी. एड. प्रवेश परीक्षा, 2012

77 नेशनल इंश्योरेंस कम्पनी लि. प्रशासनिक अधिकारी (वित्त) परीक्षा, 2013

आगामी रेलवे, एस.एस.सी., बैंकिंग, संघ एवं राज्यस्तरीय परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

85 समसामयिक घटनाएं

➲ सम्पादक : महेन्द्र जैन
➲ रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ सम्पादकीय ऑफिस
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन– 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स– (0562) 4053330, 4031570
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in
➲ दिल्ली ऑफिस
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844/66
➲ हैदराबाद ऑफिस
1-8-1/B, आर. आर. कॉम्प्लेक्स
बाग लिंगमपल्ली, हैदराबाद–500 044
फोन– 040-66753330
मो– 09391487283
➲ पटना ऑफिस
पीरमोहनी चौक, कदमकुआँ
पटना–800 003
फोन–0612-2673340
मो–09334137572
➲ कोलकाता ऑफिस
28, चौधरी लेन, श्याम बाजार
कोलकाता– 700 004
फोन– 033-25551510
मो– 07439359515
➲ लखनऊ ऑफिस
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादकीय

आप परिस्थितियों के दास मत बनिए

असफलता के लिए लोग प्रायः परिस्थितियों को दोष देते हैं और अन्त में भाग्य अथवा भगवान को कोसने लगते हैं. वे भूल जाते हैं कि सभ्यता का विकास परिस्थितियों पर विजय प्राप्त करके तथा उनको अनुकूल बनाकर ही हुआ है. मानव का स्वभाव स्वतन्त्रता है. भाग्य अथवा परिस्थिति के प्रति समर्पण मानवता के विरुद्ध है. यदि भाग्य कोई वस्तु है, तो उसका भी निर्माण व्यक्ति स्वयं करता है. अतएव हमें अपना स्वरूप पहचानकर निरन्तर पुरुषार्थ करते रहना चाहिए, सफलता अवश्य मिलेगी.

दुर्बल हृदय और आत्मविश्वास से रहित व्यक्ति थोड़े से प्रयासों के बाद हार मान लेते हैं और अपनी असफलता की जिम्मेदारी भाग्य या भगवान पर डाल देते हैं. ऐसा करके वे आगामी प्रयत्नों के प्रति उदासीन हो जाते हैं और किसी अनहोनी घटना और चमत्कार की प्रतीक्षा करने लगते हैं. साम्यवादियों ने ऐसे ही लोगों को लक्ष्य करके भगवान को अफीम की गोली कहा है कि भगवान के नाम पर अकर्मण्य और आलसी व्यक्ति कर्तव्य और कर्म से विरत हो जाते हैं. इस श्रेणी के व्यक्तियों में प्रायः तीन कमियाँ देखने में आती हैं—(i) वे अपनी कमियों को स्वीकार करना तो दूर, देखने तक के लिए तैयार नहीं होते हैं. (ii) असफलता की जिम्मेदारी अपने ऊपर नहीं लेते हैं. (iii) वे काल्पनिक छवि बना लेते हैं और वे उसको बिगड़ता नहीं देख सकते. अतः वे जीवन के यथार्थों को भी अनदेखी कर देते हैं. ऐसी मनोवृत्ति के व्यक्ति अपनी असफलता और त्रुटियों से सबक लेने के स्थान पर उनके लिए परिस्थितियों, भाग्य तथा ईश्वर को जिम्मेवार मानते हैं. अपनी असफलताओं के लिए भगवान को दोष देना भगवान के प्रति घोर अन्याय अथवा उसके नाम का दुरुपयोग ही कहा जाएगा.

ऐसे मानव को परिस्थितियों का दास अथवा उनके हाथों की कठपुतली माना जाता है. वे भूल जाते हैं कि मनुष्य पाषाण युग की सभ्यता से आगे बढ़कर अपने पुरुषार्थ के बल पर आज परमाणु युग में पहुँच गया है. यदि पाषाण युग का मनुष्य अपनी परिस्थितियों पर विजय प्राप्त न करता, तो हम आज भी उसी बर्बर युग में रह रहे होते. मनुष्य को छोड़कर समस्त चराचर जगत् आज भी उसी स्थिति में है, जिसमें वह हजारों वर्ष पहले था. मनुष्य ने अपनी बुद्धि और पुरुषार्थ के बल पर परिस्थितियों पर विजय प्राप्त करके सभ्यता के विकास के वर्तमान स्तर को प्राप्त किया है. सभ्यता की प्रगति इतनी तीव्र वेग से हुई है कि पाषाण युग का मनुष्य तो क्या यदि पिछली शताब्दी का ही मनुष्य आज जीवित हो जाए, तो वह पहचान भी नहीं पाएगा कि वह कहाँ आ गया है.